Guru Jambheshwar University of Science & technology Hisar.
In news In Mar 2017

दूसरे के दर्द को समझने की दवा खोजने की जरूरत - टंकेश्वर

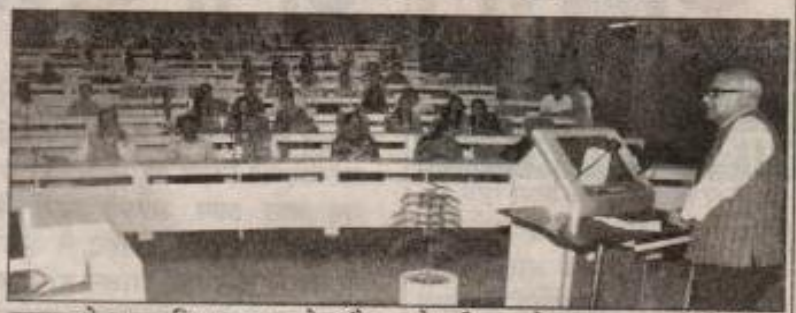

हिसार, 1 मार्च (निस) : गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आज कोई ऐसी दवा खोजने की जरूरत भी है जिसे लेने के बाद व्यक्ति दूसरों के दर्द को और अधिक समझने लगे। विज्ञान के अविष्कारों ने मनुष्य के जीवन को पहले से अधिक सहज बनाया है। विशेष योग्यता वाले व्यक्तियों के लिए इस दिशा में अभी और काम करने की जरूरत है। प्रो. टंकेश्वर कुमार राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम के समापन पर 'साईंस एंड टैक्नॉलोजी फॉर स्पेशियली ऐबल्ड पर्सन्स' विषय पर आयोजित सेमीनार के समापन समारोह को बतौर मुख्यातिथि सम्बोधित कर रहे थे। सेमीनार के मुख्य वक्ता वी.के. न्यूरोकेयर एंड ट्रामा रिसर्च हस्पताल, हिसार के डा. वी.के. गुप्ता ने 'न्यूरो साईंस' विषय पर व्याख्यान दिया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। इस अवसर पर फैकल्टी ऑफ फिजिकल साईंसिज के अधिष्ठाता प्रो. देवेन्द्र मोहन व रसायन विभाग के अध्यक्ष एवं कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. जे.बी. दहिया उपस्थित थे। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि मनुष्य को और अधिक संवेदनशील होने की जरूरत है। वर्तमान जीवन शैली के कारण मानव मानसिक शांति को खोने लगा है। ध्यान व योग से मानसिक शांति तथा दूसरों की पीड़ा को महसूस करने की संवेदना विकसित की जा सकती है। मुख्य वक्ता डा. वी.के. गुप्ता ने मनुष्य के दिमाग से जुड़े सभी रहस्यों से विस्तारपूर्वक अवगत कराया। उन्होंने कहा कि दिमाग शरीर का सबसे जटिल अंग है। सभी गतिविधियों तथा संवेदनाओं को संचालित करता है। उन्होंने कहा कि दिमाग को दुरूस्त रखने के लिए यह जरूरी है कि हम अपने आप को सहज रखें। प्रतिदिन ध्यान, योग व व्यायाम करें। दूसरों की सहायता करें तथा एक सामाजिक प्राणी के दायित्व को पूरा करें। ऐसा करने से हमें मानसिक शांति मिलेगी तथा हम बहुत सी बीमारियों से दूर रहेंगे। कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने कहा है कि विशेष योग्यता वाले व्यक्तियों के जीवन को आसान बनाने के लिए उपकरण उपलब्ध करवाना वैज्ञानिकों के लिए एक चुनौती है। विश्वविद्यालय के रसायन विभाग के अध्यक्ष एवं कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. जे.बी. दहिया ने बताया कि कम कीमत पर विशेष योग्यता वाले व्यक्तियों को उपकरण उपलब्ध करवाने की दिशा में शोध की अपार संभावनाएं हैं। फैकल्टी ऑफ फिजिकल साईंसिज के अधिष्ठाता प्रो. देवेन्द्र मोहन ने कहा कि दैनिक जिन्दगी को विज्ञान के माध्यम से और अधिक उपयोगी बनाया जा सकता है। पहले दिन विश्वविद्यालय के रसायन विभाग द्वारा कल्पना चावला मेमोरियल साईंस क्विज, भौतिकी विभाग द्वारा पोस्टर मेकिंग एंड प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता, बायो एंड नेनो विभाग द्वारा भाषण प्रतियोगिता, गणित विभाग द्वारा निबंध लेखन प्रतियोगिता तथा खाद्य तकनीकी विभाग द्वारा स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

पाठकपक्ष- 1/3/17

पुष्प सकारात्मक वातावरण स्थापित करने में सहायक

गुरु जंभेश्वर विवि में चतुर्थ पुष्प उत्सव, कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने किया उद्‌घाटन

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में चतुर्थ पुष्प उत्सव का आयोजन किया गया। इसका उद्‌घाटन मंगलवार को कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर व अधीक्षक अभियंता अशोक अहलावत भी उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि पुष्प सकारात्मकता के प्रतीक है। यह उत्सव विश्वविद्यालय में और अधिक सकारात्मक वातावरण स्थापित करने में सहायक होगा।

इस प्रकार के कार्यक्रम आगे से और भी बड़े स्तर पर किए जाएंगे। कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने भी प्रदर्शनी का अवलोकन किया। एडवाईजर लैंडस्केप पाला राम ने बताया कि इस उत्सव में 1200 प्रस्तुतियां रखी गई।

पुष्प उत्सव के दौरान फूलों के साथ फोटो खिंचवाती युवतियां। • गुलशन बजाज

पुष्प उत्सव के दौरान सेल्फी लेते विद्यार्थी। • जागरण

पुष्प उत्सव का अवलोकन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य।

परिणाम

श्रेणी ए- पुष्प सज्जा

- सेंट्रल टेबल विद फ्रेश फ्लावर्स में बिलबाज सैनी ने पहला व कोमल सैनी ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- फॉर कार्नर विद फ्रेश फ्लावर्स प्रतियोगिता में लव सैनी ने पहला व राजेन्द्र सैनी ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- फॉर सेंट्रल टेबल विद ड्राई फ्लावर्स में दिव्या ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- फॉर कार्नर विद ड्राई फ्लावर्स में शीला वर्शने ने पहला तथा सावन ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- मिक्स फ्लावर्स एरेंजमेंट फॉर ए कार्नर में रेखा सैनी ने पहला व दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- बूके प्रतियोगिता में दिलबाग सैनी ने पहला तथा लव सैनी ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- गारलैंड (हार) प्रतियोगिता में दिलबाग सैनी ने पहला व कुमारी नेहा ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

श्रेणी बी- कट फ्लावर

- रोजिज प्रतियोगिता में कुमारी दीपिका भानखड़ ने पहला तथा राकेश ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- गलेडियोलस में सागर ने पहला तथा शबनम सक्सेना ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- डाहलिया में जितेन्द्र ने पहला और हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बोटेनी विभाग व कुमारी नेहा ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- पैंजी में मेजर जनरल डा. श्रीकांत शर्मा ने पहला व कर्ण बंगा ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- कारनेशन में योगेश कुमार ने पहला व समीर सैनी ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- वरबिना में कुमारी पूनम ने पहला व राजेश ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- पिट्‌नियां में कर्ण बंगा ने पहला व मेजर जनरल डा. श्रीकांत शर्मा ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- मेरीगोल्ड में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के लैंड स्केप विभाग ने पहला व बेबी नेहा बुगालिया ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- स्टाक में सुभाष ने पहला व जितेंद्र ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- सालविया में डा. आरएस बंगा प्रथम व रेनू बंगा ने द्वितीय स्थान पर रहे।
- कारनेशन में कुश सैनी ने पहला व रेखा सैनी ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- कलेंडुला में विशाल बहादुर ने पहला व राजेश ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- कोई भी फ्लावर में लव सैनी ने प्रथम स्थान तथा दिलबाग व रेखा सैनी ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

श्रेणी सी- पॉट प्लांट्स

- डाहलिया इन पॉट्स प्रतियोगिता में जितेन्द्र ने पहला तथा मांगे राम व मेजर जनरल डा. श्रीकांत शर्मा ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- पेंसी प्रतियोगिता में जितेन्द्र ने पहला व डा. आरएस बंगा ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- पेटुनिया में सुभाष चन्द्र ने पहला व गुरप्रीत सैनी ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- वरबिना में जितेंद्र ने पहला व मांगे राम ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- फलोक्स में संत एंथनी स्कूल ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- साइनेरिरिया में मांगे राम ने पहला व संत एंथनी स्कूल ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- मैरीगोल्ड अफरीकन में जिन्दल स्टेनलैस ने पहला तथा डा. आरएस बंगा व संजय अत्री ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- मैरीगोल्ड फ्रैंच में अल्का शर्मा व जितेन्द्र ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- स्टॉक में मांगे राम ने पहला व जितेन्द्र ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- एंटीरर हेनम में मांगे राम ने पहला व जितेन्द्र ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- सालविया में आरएस बंगा ने पहला व सुभाष चन्द ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- ब्राचीकम में जितेन्द्र ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- डिमोरपाटिका में जितेन्द्र ने प[illegible] तथा मांगेराम व जिंदल स्टेन[illegible] ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- काले में जितेन्द्र ने पहला व संजय अत्री ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- मेसम्बी केन्थीमम आइस प्ला[illegible] प्रतियोगिता में गुरप्रीत सैनी [illegible] सुभाष सैनी ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- केलेडुला में सुभाष चन्द्र ने प[illegible] व राजेश ने दूसरा स्थान प्राप[illegible] किया।
- कोई भी अन्य फ्लावर में जित[illegible] ने प्रथम स्थान तथा राजेश [illegible] ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- बोनसाई प्लांट में राजेश ने दू[illegible] स्थान प्राप्त किया।
- केक्टी में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बोटेनी विभ[illegible] ने पहला तथा मांगे राम ने दू[illegible] स्थान प्राप्त किया।
- सेकुलेंट में जितेन्द्र ने पहला व हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बोटेनी विभाग ने दूसरा स्[illegible] प्राप्त किया।
- डेकोरेटिवली ट्रेड फोलिएज प्लांट्स में गुरप्रीत सैनी ने पह[illegible] व हरियाणा कृषि विश्वविद्याल[illegible] हिसार के बोटेनीकल गार्डन ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- ट्रेड बोगेनविलिया में जितेन्द्र ने पहला स्थान प्राप्त किया।

दैनिक जागरण - 1/3/17

नैनो साइंस हर व्यक्ति के जीवन से जुड़ी है : प्रो. कुहाड़

समारोह को सम्बोधित करते कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़।

हिसार, 1 मार्च (का.प्र.): केन्द्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा, महेन्द्रगढ़ के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने कहा है कि नैनो साइंस मानवता व देश के विकास में अहम भूमिका निभा रही है। नैनो साइंस किसी न किसी रूप में हर व्यक्ति के जीवन से जुड़ी है। प्रो. कुहाड़ गुजवि के बायो एंड नैनो टैक्नॉलॉजी विभाग के सौजन्य से इमर्जिंग ट्रेंड्स इन नैनो साईस एंड बायो टैक्नॉलॉजी विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन को बतौर मुख्यातिथि सम्बोधित कर रहे थे। विवि के सी.आर.एस. सभागार में हुए समारोह की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डा. नमिता सिंह ने की। फैकल्टी ऑफ बायो साइंसिज के अधिष्ठाता प्रो. अशोक चौधरी भी उपस्थित रहे।

प्रो. कुहाड़ ने कहा कि नैनो साइंस, बायोटैक्नोलॉजी तथा नैनो प्रिंटिंग के क्षेत्र में रोजगार व शोध की अपार संभावनाएं हैं। डा. नमिता सिंह ने बताया कि सम्मेलन के दौरान 3 सत्र होंगे जिन्हें राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त 5 विशेषज्ञ सम्बोधित करेंगे। सम्मेलन में 151 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं।

पंजाब केसरी हिसार - 2/3/17

डा. मीनाक्षी पाल के शोध को मिला पेटैंट

एंटी कैंसर दवाई बनाने में काम आएगा शोध

हिसार, 1 मार्च (का.प्र.): गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय से पीएच.डी. तथा सैंटर फार प्लांट बॉयोटैक्नोलॉजी की वैज्ञानिक डा. मीनाक्षी पाल के शोध को पेटैंट मिला है। ये पेटैंट उन्हें अरनिबिया पौधे पर किए गए शोध पर मिला है।

डा. मीनाक्षी पाल ने जी.जे.यू. के पर्यावरण, बायोसाइंस और प्रौद्योगिकी संकाय के डीन डा. अशोक चौधरी के मार्गदर्शन में बॉयोटैक्नोलॉजी में पीएच.डी. की है।

अरनिबिया पौधे की जड़ों से शिकोनिन नामक केमिकल निकला है, जिसका उपयोग कैंसर रोधी दवाइयों के निर्माण के लिए किया जाता है। पौधे से यह कैमिकल सिर्फ केवल नवम्बर से मार्च के बीच के 3 महीनों तक ही प्राप्त किया जा सकता है लेकिन डा. मीनाक्षी द्वारा किए गए शोध से अब इस पौधे की जड़ों से साल भर शिकोनिन प्राप्त किए जाने में सफलता हासिल की है। इसके लिए उन्होंने टिश्यू कल्चर व जेनेटिक ट्रांसफॉर्मेशन तकनीक के माध्यम से प्रयोगशाला में शोध किया और जिसका परिणाम यह रहा कि पौधे से साल भर शिकोनिन नामक केमिकल प्राप्त किया जा सकता है। डा. पाल के इस शोध से अब शिकोनिन ज्यादा मात्रा में मिल सकेगा जिससे कैंसर व अन्य रोगों के इलाज में काम आने वाली दवाइयां सस्ती

प्राप्त हो सकेंगी।

डा. मीनाक्षी पाल ने टिश्यू कल्चर के माध्यम से यह पौधे पूरे साल तक सभी के लिए उपलब्ध करवा दिया है। अरनीबिया एक ऐसा औषधीय पौधा है, जिससे निकलने वाले केमिकल के शिकोनिन का एंटी कैंसर, एंटी नियो प्लास्टिक, एंटी फंगल दवाई बनाने के लिए औषधि निर्माण क्षेत्र में प्रयोग किया जाता है।

फूड इंडस्ट्री व फैशन इंडस्ट्री में भी इस कैमिकल का खासी मांग है। डा. मीनाक्षी को इस शोध को बाकायदा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पेटैंट भी प्राप्त हो चुका है। उनके शोध को भारत सरकार और पूरे यूरोप में पेटैंट प्रदान कर दिया था। इसके अलावा शिकोनिन को लेकर भारत सरकार ने अब यह तीसरा भारतीय पेटैंट प्रदान किया है।

केसरी हिसार - 2/3/17

जीजेयू में आयोजित खेल प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

यूटीडी ओवरऑल चैंपियन

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार।

जीजेयू में चल रही छठी इंटर कॉलेज एथलीट (पुरुष व महिला) चैंपियनशिप शुक्रवार को संपन्न हो गयी। हरियाणा स्वर्ण जयंती वर्ष को समर्पित इस चैंपियनशिप के समापन समारोह के मुख्यातिथि विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार थे। इस अवसर पर विवि के कुल सचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे। ओवरऑल चैंपियनशिप यूटीडी ने जीती। उप विजेता सीडीएलएस आईईटी पन्नीवाला मोटा की टीम रही। तीसरा स्थान जेसीडी सिरसा की टीम ने प्राप्त किया।

पुरुष वर्ग में बेस्ट एथलीट यूटीडी के राजेश को चुना गया, जबकि महिला वर्ग में बेस्ट एथलीट यूटीडी की नीरू को चुना गया। खेल निदेशक डॉ. एसबी लुथरा ने बताया कि चैंपियनशिप में 43 प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसमें छह महाविद्यालयों के खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में मुख्य आकर्षण का केंद्र हरियाणा के परंपरागत खेल खुला दंगल, पिट्ठू व कबड्डी हरियाणा स्टाइल रहे। समापन समारोह में विशेष खुला दंगल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें यूटीडी के हुपेंद्र विजेता रहे।

जीजेयू में आयोजित खेल प्रतियोगिता में दौड़ लगाते प्रतिभागी।

ओआईटीएम के विजय उप विजेता रहे। खुला दंगल के विजेता को आईसीआईसीआई बैंक के प्रबंधक संजीव मोर ने 1100 रुपये का नकद पुरस्कार दिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों व कर्मचारियों के बीच रस्साकशी का आयोजन भी किया गया, जिसमें विद्यार्थी विजयी रहे।

परिणाम इस प्रकार रहे : पुरुष वर्ग की 100 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में यूटीडी के गौरव प्रथम, पीपीआईएमटी के विनोद द्वितीय तथा सीडीएलएस आईईटी के रक्षित तृतीय स्थान पर रहे। 400 मीटर बाधा दौड़ प्रतियोगिता में यूटीडी के राजेश ने प्रथम, जेसीडी के अरुण ने द्वितीय तथा यूटीडी के गौरव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। ट्रिपल जंप प्रतियोगिता में जेसीडी के अरुण ने पहला, यूटीडी के शुभम ने द्वितीय तथा जेसीडी के जसपाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जेवलिन थ्रो में सीडीएलएस आईईटी के पुष्पेंद्र ने पहला, जेसीडी के अरुण ने दूसरा तथा यूटीडी के गौरव ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। 400 मीटर दौड़ में यूटीडी के गौरव ने पहला, ओआईटीएम के दिनेश ने दूसरा तथा यूटीडी के अमन राना ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पांच किलोमीटर दौड़ प्रतियोगिता में यूटीडी के राजेश ने पहला, ओआईटीएम के संदीप ने दूसरा तथा यूटीडी के अमन ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। महिला वर्ग की 100 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में यूटीडी की नीरू ने पहला, सपना ने दूसरा तथा जेसीडी की सुमन ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। 400 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में यूटीडी की नीरू ने पहला, वंदना ने दूसरा तथा सीडीएलएस आईईटी की मोनिका ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। जेवलिन थ्रो प्रतियोगिता में सीडीएलएस आईईटी की राजू रानी ने पहला, यूटीडी की सपना ने दूसरा तथा जेसीडी की पूनम ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। कर्मचारी वर्ग की लंबी कूद प्रतियोगिता में विनोद वर्मा ने पहला, राम मेहर ने दूसरा तथा रोहतास ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

अमर उजाला -4/3/17

कार्यशाला

गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में फूड प्रोसेसिंग इंडिया विषय पर आयोजित सेमिनार में कुलपति ने रखे विचार

खाद्यान उत्पाद के प्रोसेसिंग पर देना होगा ध्यान : प्रो. टंकेश्वर

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा है कि भारत के किसान ने खाद्य उत्पादन बढ़ाने के लिए कड़ी मेहनत की है। खाद्य उत्पादन का न केवल किसानों से गहरा संबंध है यह हर नागरिक की मूल आवश्यकता भी है। खाद्य उत्पादन की दिशा में भारत में बहुत तरक्की की है हालांकि अभी भी इस दिशा में काफी कुछ और भी किए जाने की जरूरत है।

प्रो. टंकेश्वर कुमार विश्वविद्यालय के खाद्य तकनीकी विभाग के सौजन्य से फूड प्रोसेसिंग इंडिया विषय पर शुरू हुई राष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। सीआइएबी मोहाली के सीईओ डॉ. आरएस सांगवान कार्यशाला के मुख्य वक्ता थे जबकि विवि के कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे। अध्यक्षता कार्यशाला के समन्वयक एवं विभागाध्यक्ष प्रो. बीएस खटकड़ ने की। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि किसान को उसकी फसलों के उचित दाम नहीं मिलते। परंतु जब इस वस्तु को प्रोसेस करके अन्य उत्पाद बनाए जाते हैं तो उसकी कीमत में काफी बढ़ोतरी हो जाती है। उन्होंने कहा कि हम किस प्रकार से किसान की सहायता कर सकते हैं इसके लिए खाद्य तकनीक में खाद्य पदार्थों का संरक्षण करना होगा। भारत सरकार की भी किसानों की आय दोगुना करने करने की योजना है। देश का विकास किसानों के उत्पादन विकास पर निर्भर करता है। शोधार्थियों से आह्वान किया कि खाद्य तकनीक में ऐसे शोध करें कि जिससे वास्तविक आय किसान को मिल सके। मुख्य वक्ता डा. आरएस सांगवान ने कहा कि भारत की जीडीपी में कृषि क्षेत्र का योगदान 15-16 फीसद है जबकि भारत की 50 फीसद जनसंख्या कृषि क्षेत्र में काम कर रही है। इस मौके पर विशेषज्ञ एनडीआरआइ करनाल के डीन प्रो. अनिल कुमार पुनिया, एसएलआइईटी पंजाब के प्रो. एमबी बेग, प्रो. डीसी सक्सेना, प्रो. सुखचरण सिंह व प्रो. विकास नंदा व प्रो. परमजीत एस पनेसर, चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा के प्रो. एसके गहलावत व डा. कवलजीत सिंह संधु, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय लुधियाना के प्रो. अशोक कुमार, सीआइएफटी लुधियाना के प्रो. दीप नारायण यादव, जीएडीवीएसयू, लुधियाना के डा. सुनील कुमार खटकड़, महर्षि दयानंद रोहतक के डा. बलजीत सिंह यादव, दीनबंधू छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मुरथल के प्रो. जेएस राणा कार्यशाला के विभिन्न सत्रों को सम्बोधित किया।

डॉ. आरएस सांगवान को सम्मानित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। • जागरण

सिक्योरिटी फीस नहीं मिलने पर छात्रों ने दिया धरना

हिसार : गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के हॉस्टल नंबर दो के छात्रों ने पिछले वर्ष की सिक्योरिटी फीस नहीं मिलने पर प्रदर्शन किया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के कार्यालय के सामने उन्होंने धरना दिया। चार घंटे इंतजार के बाद भी कोई मिलने नहीं आया। छात्रों का कहना है कि उन्होंने कुलपति कार्यालय के बाहर चार घंटे तक इंतजार किया परंतु कोई मिलने तक नहीं आया। छात्रों ने कहा कि एक सप्ताह के अंदर प्रशासन ने कार्रवाई नहीं की तो वह आंदोलन करेंगे। छात्रों ने बताया कि 2500 रुपये सिक्योरिटी राशि उनकी प्रति छात्र मैस में अटकी हुई है। वह उन्हें मिलनी चाहिए। इस अवसर पर अमित चौधरी, पवन डबरा, गौरव कादयान, राहुल कुमार, दीपक पांडा, दिनेश, हितेश सिंह, अतुल, अमित रावत आदि थे।

दैनिक जागरण 4/3/17

फायरलैस तकनीक से बनाए पकवान

हरिभूमि न्यूज. हिसार

गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय में 'हॉस्टल हाट' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विवि की छात्राओं ने नारियल की बर्फी, मेहंदी, हेंडीक्राफ्ट, नारियल पानी, जूस, टेटू आर्ट, हेयर स्टाईल, मेकअप आदि स्टालें लगाईं।

कार्यक्रम में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। ऐसे आयोजनों से छात्राओं के कौशल विकास में बढ़ोतरी होगी और उन्हें कुछ नया सीखने को मिलता है। समारोह में कुलसचिव डा. अनिल पुंडीर ने विशिष्ट अतिथि के तौर पर शिरकत की। डा. मीनाक्षी भाटिया ने बताया कि इस कार्यक्रम के तहत छात्राओं द्वारा बनाए गए पकवान फायरलैस तकनीक से बनाए गए थे। उन्होंने बताया कि छात्राओं ने वस्तुएं अपने हाथ से बनाई हैं तथा इन सभी पकवानों में आग का प्रयोग नहीं गया। उन्होंने बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट के अंतर्गत सजावट की वस्तुएं भी बनाई। इस प्रकार का कार्यक्रम विश्वविद्यालय के छात्रावास में पहली बार हो रहा है। इस अवसर पर प्रो. एस.सी. कुंडू, प्रो. सोनिका, प्रोक्टर प्रो. संदीप राणा, मुकेश कुमार, डा. मनोज मेडल, डा. विकास वर्मा आदि मौजूद थे।

हरिभूमि 4/3/17

अमर उजाला 4/3/17

हॉस्टल हाट में छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा

हिसार, 3 मार्च (का.प्र.): गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार के लड़कियों के छात्रावास के सौजन्य से 'हॉस्टल हाट' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। लड़कियों के छात्रावास परिसर में हुए इस कार्यक्रम में नारियल की बर्फी, मेहंदी, हैंडी क्राफ्ट, नारियल पानी, जूस, टैटू आर्ट, हेयर स्टाइल, मेक अप आदि स्टाल लगाई गई। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। मुख्यातिथि विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने छात्राओं द्वारा बनाए गई वस्तुओं की प्रशंसा की और कहा कि इससे छात्राओं के कौशल विकास में बढ़ौतरी होगी और सीखने का मौका मिलेगा। कुलपति ने विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई वस्तुओं का सेवन भी किया। कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे। कार्यक्रम की समन्वयक डा. मीनाक्षी भाटिया ने बताया कि छात्राओं द्वारा बनाए गए पकवान फायर लैस तकनीक से बनाए गए थे। इस अवसर पर चीफ वार्डन ब्वायज प्रो. एस.सी. कुंडू, चीफ वार्डन गर्ल्स प्रो. सोनिका, प्रोक्टर प्रो. संदीप राणा, मुकेश कुमार, डा. मनोज मैडल, डा. विकास वर्मा, सुमन दहिया, नीतू अहलावत, सोनिका, रितु यादव, ज्योति मेहता व मंजीत कुमारी उपस्थित थे।

छात्राओं द्वारा बनाई वस्तुओं का जायजा लेते प्रो. टंकेश्वर कुमार।

वांछित उपकरण बनाने पर हो काम

कार्यशाला को सम्बोधित करते बीएचयू के प्रो. रामा शंकर एवं उपस्थित शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी।

सेमिनार

- गुजवि में भौतिकी विभाग की ओर से लेजर तकनीक पर कार्यशाला
- पांच सत्रों में चली कार्यशाला में 200 प्रतिभागियों ने लिया भाग

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार के भौतिकी विभाग के ऑप्टिकल इंजीनियरिंग डिवीजन के सौजन्य से लेजर तकनीक विषय पर सीआरएस सभागार में दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला संपन्न हुई। कार्यशाला टीईक्यूआईपी-2 द्वारा प्रायोजित की गई। कार्यशाला के समापन समारोह के मुख्यातिथि प्रो. रामाशंकर थे।

प्रो. रामाशंकर ने अपने संबोधन में कहा कि विद्यार्थी अपने शिक्षकों के साथ बातचीत करते रहें। उन्होंने किताबें पढ़ने और शिक्षक द्वारा दी गई शिक्षा के अंतर को समझाया। इससे विद्यार्थियों में ज्ञान का विकास होता है। उन्होंने बताया कि लेजर तकनीक के उपकरणों को आयात करने के बजाय वांछित उपकरण बनाने की दिशा में काम करना होगा। फैकल्टी ऑफ फिजिकल साईंसिज के अधिष्ठाता प्रो. देवेन्द्र मोहन ने कार्यशाला की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की और प्रकाश एवं प्रकाश आधारित तकनीक के महत्व को बताया। उन्होंने बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को नवीनतम जानकारियां उपलब्ध करवाना होता है जिसे पूरा करने में कार्यशाला में सफलता मिली है। यह कार्यशाला प्रतिभागियों के लिए अत्यंत लाभदायक सिद्ध होगी। भौतिकी विभाग की अध्यक्षा एवं कार्यशाला की समन्वयक प्रो. स्नेहलता गोयल ने बताया कि कार्यशाला में 200 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला में पांच सत्रों का आयोजन हुआ। कार्यशाला में 10 व्याख्यान आयोजित किए गए।

ये रहे मौजूद

विषय विशेषज्ञों बीएचयू के प्रो. रामा शंकर, लेसटक दिल्ली के डा. टी. रघुनाथ, आइआरडीई देहरादून के डा. संजय मिश्रा, उद्योगपति डा. सुभाष पाई, दिल्ली के डा. आरके गर्ग, आइआइटी रूड़की के डा. अजय वासन, पीआरएल अहमदाबाद के डा. राजेश कुश्वाह और आइआइएसईआर के डा. अरिजित डे ने व्याख्यान दिए। लेसटक दिल्ली के डा. टी. रघुनाथ ने डिफेंस एप्लीकेशंस ऑफ लेजर्स विषय पर कार्यशाला को संबोधित किया। कार्यशाला के सचिव डा. राजेन्द्र कुंडू ने धन्यवाद संबोधन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर कार्यशाला के समन्वयक डा. डेविड जोसेफ, सह-समन्वयक डा. अजय शंकर, प्रो. सुजाता सांघी, प्रो. आशीष अग्रवाल व डा. राजेश पूनिया उपस्थित थे।

सेना में अधिकारियों की भर्ती में सेवाएं देते हैं मनोवैज्ञानिक

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार के मनोविज्ञान विभाग के सौजन्य से करियर ऑपोर्चूनिटीज फॉर साइकॉलोजी स्टूडेंट्स इन डिफेंस ऑरगेनाइजेशन विषय पर शनिवार को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

डीआइपीआर (डीआरडीओ), दिल्ली के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. उपदेश कुमार कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे। फैकल्टी ऑफ मेडिकल साइंस के अधिष्ठाता प्रो. मिलिन्द पारले इस अवसर पर बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे। मुख्य वक्ता डॉ. उपदेश कुमार ने कहा कि मनोवैज्ञानिक सेना में अधिकारियों की चयन प्रक्रिया में, प्रशिक्षण में और परामर्श जैसी विभिन्न प्रकार की गतिविधियों में सेवाएं प्रदान करते हैं। इनमें विशेष रूप से परामर्श के माध्यम से सेना के जवानों की समस्याओं का समाधान, विषम परिस्थितियों में चुनौतियों का सामना करना, मानसिक संतुलन बनाए रखना, सेना में चयन के बाद किस तरह से सेना के परिवेश में अपने आप को ढालना, आदि शामिल हैं। मूल शोध के साथ-साथ जरूरत के हिसाब से मानवीय पहलुओं पर डीआइपीआर दिल्ली में शोध किया जाता है। कई तरह के विशिष्ट प्रशिक्षण और ऑपरेशन मॉड्यूल्स का निर्माण भी सिखाया जाता है।

इनके द्वारा विषम भौगोलिक परिस्थितियों में काम करना, तनाव प्रबंधन, मनोबल का बढ़ाना, असफलता के बाद दोबारा प्रयास करना तथा नेतृत्व कौशल का विकास करना सिखाया जाता है। डॉ. उपदेश कुमार ने कहा कि सेना के क्षेत्र में तथा संस्थान जैसे डीआरडीओ में मनोवैज्ञानिक विषय के विद्यार्थियों के लिए शोध एवं रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। इस कार्यशाला में 131 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों में कार्यशाला के प्रति भारी उत्साह रहा। प्रतिभागियों ने मुख्य वक्ता से प्रश्न पूछ कर अपनी जिज्ञासा को शांत किया।

कार्यशाला में डा. उपदेश कुमार को सम्मानित करते विशिष्ट अतिथि प्रो. मिलिन्द पारले।

दैनिक जागरण 5/3/17

बैठक शैक्षणिक परिषद की 50वीं बैठक में लिया गया फैसला, दो नए कोर्स को शुरू करने का भी लिया गया निर्णय

गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में नए सत्र से तीन कोर्स होंगे बंद

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय ने नए सत्र से अपने तीन कोर्स को बंद करने का फैसला लिया है। तीनों कोर्स को बंद करने के लिए विश्वविद्यालय की शैक्षणिक परिषद की सोमवार को हुई 50वीं बैठक में लिए गया। कोर्स को बंद करने का मुख्य कारण इसमें पांच छात्रों का भी पिछले कई वर्षों से से निरंतर दाखिला नहीं लेना था।

गुजवि में पिछले कई सालों से एमटेक ऑप्टिकल इंजीनियरिंग, एमफार्मा कोग्नोसी और एमपीटी स्पोर्ट्स के कोर्स चलाए जा रहे हैं। इन कोर्स में विश्वविद्यालय की तरफ से दाखिला प्रक्रिया के दौरान सीटों पर दाखिला नहीं हो रहे है। विश्वविद्यालय के एमपीटी स्पोर्ट्स कोर्स की बात की जाए तो इसमें पिछले दो साल से कोई भी दाखिला नहीं हुआ है। यह कोर्स खेल के समय चोट लगने के बाद फिजियोथेरेपी देने के लिए शुरू किया था। लेकिन इस कोर्स को शुरू करने के बाद शुरूआत में कुछ छात्रों ने दाखिला लिया। उसके बाद दो साल से किसी ने दाखिला ही नहीं लिया गया। इसी प्रकार एमटेक ऑप्टिकल इंजीनियरिंग में पांच सीटें है। इसमें करीब चार छात्रों ने दाखिला लिया हुआ है। लेकिन इस कोर्स को भी बंद करने का निर्णय लिया गया। इस कोर्स की पीएचडी को बंद नहीं किया गया।

शैक्षणिक परिषद की बैठक में शामिल सदस्य।

> कोर्सों को बंद करने का निर्णय हो चुका है। इसमें यदि किसी कोर्स को अन्य में मर्ज कर चलाया जा सकता है उस पर विचार हो सकता है। लेकिन पांच से कम छात्रों के दाखिला नहीं लेने के कारण काफी ज्यादा दिक्कत थी।
>
> **प्रो. टंकेश्वर कुमार,** कुलपति, गुजवि

गुजवि में होगी सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई

हिसार : गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आगामी सत्र से बीटेक सिविल इंजीनियरिंग का कोर्स शुरू होगा। इसके अतिरिक्त मनोविज्ञान विभाग में गाइडेंस एंड काउंसलिंग में पीजी डिप्लोमा कोर्स शुरू किया जाएगा। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशानिर्देशों के अनुसार विश्वविद्यालय मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सिज भी शुरू किए जाएंगे। यह निर्णय सोमवार को हुई विश्वविद्यालय की शैक्षणिक परिषद की 50वीं बैठक में लिए गए। पर्यावरण विभाग के अंडर में शुरू होने वाली बीटेक के सिविल इंजीनियरिंग के कोर्स में 60 सीटें रखी गई है। इस कोर्स की अप्रूवल के लिए एआइसीटी को भी फाइल भेजी गई है। इस सत्र से इंजीनियरिंग में दाखिले होंगे। इसके अलावा मनोविज्ञान विभाग में गाइडेंस एंड काउंसलिंग में 15 सीटें रखी गई है। इसमें एमएससी साइकोलॉजी पूरी करने के बाद ही छात्र दाखिला ले सकेंगे। आगामी शैक्षणिक सत्र में पीएचडी में दाखिले के लिए केवल प्रवेश को केवल क्वालीफाई करना होगा। शेष मेरिट विद्यार्थी की शैक्षणिक योग्यता के आधार पर बनेगी। प्री-पीएचडी कोर्स की परीक्षा में टॉप करने वाले विद्यार्थी को पीएचडी की फैलोशिप दी जाएगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने अब परीक्षा के दौरान कमरों में कैमरे लगाने का निर्णय लिया है। जहां नहीं लग सकेंगे वहां पर वीडियोग्राफी होगी। वहीं प्रो. राजेश मल्होत्रा ने बताया कि पीएचडी व अन्य पीजी कोर्सों की प्रवेश परीक्षाओं के टॉपर्स को नियमानुसार दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि में भी वृद्धि की गई है। पीएचडी प्रवेश परीक्षा के टापर को पंजीकरण के बाद अब पांच हजार रुपये से बढ़ाकर आठ हजार रुपये तथा पीजी कोर्सों के लिए यह राशि 1200 रुपये से बढ़ाकर चार हजार रुपये की गई है।

दैनिक जागरण 7/3/17

संज्ञान | गुजवि शैक्षणिक परिषद की मीटिंग में देरी पर वीसी बोले, अब साल में तीन-चार बार मीटिंग करेंगे

सालों में एक बार क्यों होती है ईसी की मीटिंग!

- बैठक में कई अहम फैसलों पर लगी मुहर

हरिभूमि न्यूज. हिसार

गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय में सोमवार को हुई शैक्षणिक परिषद मीटिंग में सदस्यों ने जमकर भड़ास निकाली। सदस्यों को कहना था कि यह मीटिंग करीब 6 साल में एक बार ही हुई है। शैक्षणिक परिषद् के सदस्यों ने इस पर आपत्ति जताते हुए विवि प्रशासन से पूछा कि विवि के शुरूआती 15 वर्षों में तो 50 के करीब मीटिंग हुई, मगर उसके बाद इसे बंद कर दिया गया। अगर शैक्षणिक मीटिंग नहीं होगी तो विवि में शैक्षणिक मुद्दों पर चर्चा कैसे होगी। मीटिंग नहीं होने से विवि का शैक्षणिक स्तर सुधारने के सुझाव पर अमल भी नहीं हो पाएगा।

इस पर कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भी सहमति जताई और कहा कि इस सत्र में जुलाई से पहले 3-4 मीटिंग हो जाएगी। सूत्रों के अनुसार एक सदस्य ने कहा कि विवि प्रशासन अपने द्वारा बनाए नियमों की पालना नहीं कर रहा है। उसके बाद मामला कोर्ट में चला जाता है। एक सदस्य का कहना था कि वर्ष 2015 में एक मामला उठाया गया था, मगर उसे अभी तक पेंडिंग में ही रखा गया है। वहीं मीटिंग में शामिल एक सदस्य ने कहा कि गुजवि अपने ही बनाए एक्ट की पालना नहीं कर रहा है। ऐसे में पीड़ित कोर्ट में जाता है तो विवि प्रशासन के सामने असमंजस की स्थिति पैदा होगी। वहीं मीटिंग की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि अगले सत्र से बीटेक सिविल इंजीनियरिंग का कोर्स शुरू होगा। इसके अलावा मनोविज्ञान विभाग में गाइडेंस एंड काउंसलिंग में पीजी डिप्लोमा कोर्स शुरू किया जाएगा। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सिज भी शुरू किए जाएंगे। विभिन्न विभागों के 57 शोधकर्ताओं को पीएचडी डिग्री देने के निर्णय को स्वीकृति दी गई। मेरिट विद्यार्थी की शैक्षणिक योग्यता के आधार पर बनेगी तथा टॉपर को फैलोशिप दी जाएगी। इस मौके पर वेसू के सुलतान सिंह, प्रो. प्रदीप कुमार, प्रो. मनोज, प्रो. आरके मुदगिल, डा. ओदेश कुमार, प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. अशोक चौधरी, प्रो. बंदना कुमारी, प्रो. देवेन्द्र मोहन, प्रो. नरेन्द्र, प्रो. एनके बिश्नोई, प्रो. नरसीराम बिश्नोई, प्रो. हरभजन बंसल, प्रो. आरके गुप्ता आदि थे।

पीएचडी टॉपर को अब मिलेंगे 8 हजार प्रतिमाह

शैक्षणिक मामलों के अधिष्ठाता प्रो. राजेश मल्होत्रा ने कहा कि पीएचडी तथा अन्य पीजी कोर्सों की प्रवेश परीक्षाओं के टॉपर्स को दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि में भी वृद्धि की गई है। पीएचडी प्रवेश परीक्षा के टॉपर को पंजीकरण के बाद 5 हजार से बढ़ाकर 8 हजार रुपये तथा पीजी कोर्सों के लिए यह राशि 1200 रुपये से बढ़ाकर 4000 रुपये की गई है। यह भी फैसला लिया गया कि विवि में होने वाली सभी तरह की परीक्षाओं की विडियोग्राफी करवाई जाएगी।

हिसार। गुजवि में आयोजित मीटिंग की अध्यक्षता करते वीसी प्रो. टंकेश्वर कुमार।

तीन कोर्स होंगे बंद

कुलपति ने कहा कि जिन कोर्सों में बीते पांच वर्ष से कम दाखिले हैं, उन्हें बंद किया जाएगा। इनमें एमटेक ऑप्टिकल इंजीनियरिंग, एमफार्मा कोगनोसी तथा एमपीटी स्पोर्ट्स शामिल हैं। परीक्षाओं में बैठने के लिए उपस्थिति नियम को सख्ती से लागू किया जाएगा। जिन विद्यार्थियों की उपस्थिति पूरी नहीं होगी, उन्हें परीक्षा में नहीं बैठने दिया जाएगा।

हरि भूमि 7/3/17

गुजवि में 2 स्वाइप, नकद खत्म-कैशलेस शुरू

हिसार, 8 मार्च (हप्र)

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के डा. भीमराव अम्बेडकर पुस्तकालय व विश्वविद्यालय के अतिथि गृह में अब नकदीरहित लेनदेन होगा। इस सम्बंध में दोनों स्थानों पर स्वाइप मशीनें लगा दी गई हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने डा. भीमराव अम्बेडकर पुस्तकालय में स्वाइप मशीनों का शुभारंभ किया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय में नकदीरहित लेनदेन की दिशा में यह एक और कदम है। उन्होंने नगदीरहित लेनदेन को समय की मांग बताया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि पुस्तकालय में जुर्माना राशि व पुस्तक गुम होने पर लिए जाने वाली देय राशि की प्रक्रिया को नकदीरहित किया गया है, ताकि विद्यार्थी सीधे अपने खाते से विश्वविद्यालय के खाते में तय राशि जमा करवा सके। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय के अतिथि गृह में आने वाले अतिथि भी नकदीरहित लेनदेन कर सकेंगे। इस मौके पुस्तकालयाध्यक्ष डा. विनोद कुमार, डा. एसएस जोशी, मुकेश अरोड़ा, खजाना राम, कुलपति के सचिव मुकेश कुमार आदि उपस्थित थे।

हिसार के गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के डा. भीमराव अम्बेडकर पुस्तकालय में ख्यवार को नकदी रहित भुगतान करते विद्यार्थी। -हप्र

दैनिक ट्रिब्यून - 9/3/17

GJUST exchanges academic expertise with Canada varsities

HT Correspondent
• kitterschd@hindustantimes.com

HISAR: The representatives of the government of Canada visited the Guru Jambheshwar University of Science and Technology (GJUST) in Hisar on Thursday, to find more scope for the students of the university.

Vice-chancellor Tankeshwar Kumar said, "Our aim is to provide quality education for students. We held a high-level meeting with representatives of Canada government, in which probabilities of exchange programmes were discussed."

Kumar said, "Christopher Gibins, consul general of Canada consulate general was present in the meeting." Also, member of delegation Gurubans Sobti, dean academic affairs Rajesh Malhotra and other members were also present in the meeting.

Gibins said the university got first position in the state and 24th position in the country in the ranking of National Institute of Ranking Framework, from which he made plan to exchange research and academic expertise with universities of Canada.

Kumar said, "According to the proposal, our engineering students will be able to complete half of their course in GJUST, and the other half can be completed at the universities in Canada. Their degrees will be equally valid in both the countries."

Hindustan Times - 10/3/17

कनाडा में पढ़ेंगे जीजेयू के विद्यार्थी, मिल सकता मौका

अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाने की ओर गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का एक और बड़ा कदम

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार।

गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी उपस्थिति दर्ज करवाने के लिए आगे बढ़ने लगा है। कनाडा की ओर से जीजेयू को शिक्षा व शोध कार्यों में विशेषज्ञता के आदान-प्रदान का प्रस्ताव मिला है। यह प्रस्ताव सिरे चढ़ता है तो विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शोधार्थियों व शिक्षकों को कनाडा के विश्वविद्यालयों में पढ़ने का मौका मिल सकता है। इस संबंध में कनाडा सरकार के प्रतिनिधियों के साथ विश्वविद्यालय के अधिकारियों की वीरवार को उच्चस्तरीय बैठक हुई। इसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों व शोधार्थियों के एक्सचेंज प्रोग्राम की संभावनाएं तलाशी गईं। बैठक की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। बैठक में कनाडा के वाणिज्य दूतावास के काउंसलेट जनरल क्रिस्टोफर गिबिंस उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त उनके साथ प्रतिनिधि मंडल सदस्य के रूप में गुरूबंस सोबति तथा विवि की तरफ से शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. राजेश मल्होत्रा, प्रो. एचसी गर्ग, ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट निदेशक प्रताप सिंह मलिक, कुलपति के सलाहकार प्रो. एससी गोयल तथा ओएसडी राकेश कटारिया उपस्थित थे।

दोनों देशों में बराबर मान्य होगी डिग्री : कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि प्रस्ताव के अनुसार विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी के विद्यार्थी अपना आधा कोर्स गुजवि प्रौवि हिसार में तथा आधा कोर्स कनाडा के विश्वविद्यालयों में पूरा कर सकेंगे तथा उनकी डिग्री दोनों ही देशों में बराबर मान्य होगी। इसके अतिरिक्त कौशल विकास से संबंधित साझे सम्मेलनों का भी आयोजन किया जाएगा। दोनों ही पक्षों की ओर से विद्यार्थियों को एक दूसरे संस्थानों में शिक्षा ग्रहण करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विवि को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने के लिए इस प्रकार के कदमों की आवश्यकता है। साथ ही उन्होंने कहा कि वैश्वीकरण के इस दौर में यह जरूरी है कि उच्च स्तरीय शिक्षण संस्थान राष्ट्रीय सीमाओं से आगे बढ़कर अंतरराष्ट्रीय स्तर की शिक्षा संस्थाओं के साथ शोध व शैक्षणिक गतिविधियों को साझा करें।

कनाडा के वाणिज्य दूतावास के काउंसलेट जनरल क्रिसटोफर गिबिन्स व प्रतिनिधि मंडल के सदस्य गुरुबन्स सोबति के साथ गुजविप्रौवि हिसार के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार एवं अन्य।

कनाडा के डेलीगेशन ने किया लुवास का दौरा

कनाडा के प्रतिनिधि मंडल से मिलते लुवास कुलपति मेजर जनरल डॉ. श्रीकांत।

हिसार। कनाडा के डेलीगेशन ने लुवास विश्वविद्यालय का दौरा किया तथा विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे शोध कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा की। डेलीगेशन का नेतृत्व कनाडा के काउंसलेट जनरल क्रिस्टोफर ने किया। उनके साथ कनाडा के व्यापार आयुक्त गुरुबंश सोबती भी उपस्थित थे। कुलपति मेजर जनरल डॉ. श्रीकांत ने जानकारी दी।

इनका कहना है

यह विश्वविद्यालय नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रैंकिंग फ्रेमवर्क की रैंकिंग में प्रदेश में पहले तथा देश में 24वें स्थान पर आया है, जिससे उन्होंने इस विश्वविद्यालय की शोध व शैक्षणिक विशेषज्ञता के साथ कनाडा के विश्वविद्यालयों की शोध व शैक्षणिक विशेषज्ञता का आदान-प्रदान करने की योजना बनाई है। इसी योजना के तहत उन्होंने इस विश्वविद्यालय को एक विस्तृत प्रस्ताव सौंपा है। - **जनरल क्रिस्टोफर गिबिंस, काउंसल, कनाडा वाणिज्य दूतावास**

अमर उजाला - 10/3/17

मंथन | गुजवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन, कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार बोले

उपकरण खरीदने के लिए धन की कमी नहीं

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा है कि वर्तमान समय में उपकरण खरीदने के लिए धन की कमी नहीं है, लेकिन खरीदे गए उपकरणों का समुचित उपयोग होना आवश्यक है। प्रो. टंकेश्वर कुमार विश्वविद्यालय की डा. एपीजे अब्दुल कलाम सेंट्रल इंस्ट्रूमेंटेशन लेबोरेट्री के सौजन्य से आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। समापन समारोह की अध्यक्षता संगोष्ठी के संयोजक एवं प्रयोगशाला के निदेशक प्रो. देवेन्द्र कुमार ने की।

विजेता को सम्मानित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि उपकरणों का प्रयोग करने से ही नए अनुसंधान संभव हैं। शोधार्थियों को उपकरणों की ओर रूचि बढ़ाने के लिए प्रायोगिक कार्यशालाओं का आयोजन भी किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि उनका कार्यशाला में आने का उद्देश्य केवल प्रमाण पत्र लेना ही नहीं होना चाहिए, बल्कि प्रतिभागिता का मुख्य उद्देश्य संबंधित विषय का ज्ञान प्राप्ति होना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय प्रयोगशालाओं को और अधिक उपयोगी बनाने के लिए अति आधुनिक उपकरण भी खरीदेंगे।

प्रो. देवेन्द्र कुमार ने संगोष्ठी की कार्यवाही रिपोर्ट प्रस्तुत की। कार्यशाला में 17 व्याख्यान हुए तथा 105 पोस्टर प्रदर्शित किए गए। कार्यशाला के दौरान छह तकनीकी सत्रों तथा दो पोस्टर सत्रों का आयोजन हुआ। प्रो. सुजाता सांघी व डा. वीके गर्ग ने पोस्टर प्रस्तुति सत्र में निर्णायक मंडल की भूमिका अदा की जिसमें हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की रितु पहले स्थान पर रही। गुजवि की राजलक्ष्मी ने दूसरा तथा एचटीसी कैथल के आर कुमार ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

संगोष्ठी के आयोजन सचिव डा. विकास वर्मा ने बताया कि एनआइपीईआर मोहाली के प्रो. सरणजीत सिंह, आइसीजीईबी, दिल्ली के डा. नील सरोवर भावेश, आइआइएसईआर, मोहाली के प्रो. संजय मंडाल, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के प्रो. एमएल शर्मा, बीआइटीएस पिलानी के मनीष कुमार, बरूकर इंडिया साइंटिफिक प्राइवेट लिमिटेड के डा. बीएस जोशी, सीएसआइआर-आइआइपी देहरादून के डा. पंकज कनुजिया, सन फार्मास्यूटिकल इन्डस्ट्री लिमिटेड के डा. सोमनाथ गांगुली, आइआइटी दिल्ली के डा. भानू नंदन, जामिया हमदर्द, दिल्ली के डा. साईद अहमद, एजिलेंट टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड के डा. विनय जैन, वॉटरस-इंडिया प्राइवेट लिमिटेड दिल्ली के डा. विशाल के. खटावकर तथा सीएसआइआर लैब जम्मू के प्रो. प्यारेलाल सांगवान ने संगोष्ठी में चर्चा व विचारों का आदान-प्रदान किया। सीआइआरबी के डा. नवनीत सक्सेना व पंजाब विश्वविद्यालय चण्डीगढ़ के विद्यार्थी दीपक कुमार ने संगोष्ठी में अपने अनुभव सांझा किए।

दैनिक जागरण - 18/3/17

शिविर | प्रो. टंकेश्वर कुमार ने हरियाणा स्वर्ण जयंती वर्ष को समर्पित रक्तदान शिविर के उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्यातिथि कही

रक्तदान से कमजोरी नहीं बल्कि ताकत मिलती है

हरिभूमि न्यूज. हिसार

जब कोई अपना जिन्दगी और मौत से जूझ रहा होता है और उसे रक्त की जरूरत होती है, तब हम जान पाते हैं कि रक्तदान वास्तव में महादान है। यह बात गुजवि

- रक्तदान शिविर में 508 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में आयोजित हरियाणा स्वर्ण जयंती वर्ष को समर्पित रक्तदान शिविर के उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्यातिथि कही। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि रक्तदान से जो जीवन बचता है, वह जीवन राष्ट्र के विकास में

हिसार। गुजवि में आयोजित रक्तदान शिविर का उद्घाटन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

अपना योगदान देता है। ऐसे में रक्तदाता प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से नहीं केवल जीवन बचाते हैं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी भूमिका निभाते हैं। रक्तदान करने से किसी का कोई नुकसान नहीं होता है, बल्कि इससे रक्त बनने की प्रकिया बेहतर होती है तथा साथ ही बीमारियों से भी लड़ने की क्षमता बढ़ती है। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. हरभजन बंसल शिविर के प्रथम रक्तदाता बने। उन्होंने विद्यार्थियों को रक्तदान करने के लिए प्रेरित भी किया।

विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की समन्वयक प्रो. सुजाता सांघी ने बताया कि विशाल रक्तदान शिविर में 508 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया, जिनमें 77 छात्राएं शामिल थी। उन्होंने बताया कि शिविर में पंजीकरण और रक्तदान के लिए अलग-अलग चार कक्षों में व्यवस्था की गई। रक्तदाता का रक्त संक्रमित तो नहीं, इसके लिए रक्तदाता का रक्तदान से पहले हेल्थ चेकअप भी किया गया। शिविर में 70 बेड पर रक्तदान करने की व्यवस्था की गई। उन्होंने बताया कि रक्तदान शिविर में विद्यार्थियों द्वारा हरियाणा की स्वर्ण जयंती वर्ष, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, रक्तदान महादान, महिला सशक्तिकरण, स्व छ भारत स्वस्थ भारत सहित विभिन्न विषयों पर पोस्टर प्रदर्शनी लगाई गई। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों सहित डा. एन.के. भाटिया, डा. दीपांजू, डा. सौरभ, डा. मनीषा, डा. रिचा जैन, डा. जोगेन्द्र सिंह कपूर, डा. विकास वर्मा, डा. सुमन दहिया, डा. विजेन्द्र सैनी, डा. अनिल भानखड़, डा. कश्मिरी लाल, डा. देवेन्द्र मोहन, डा. आशीष अग्रवाल, डा. अजय शंकर, डा. सीपी कौशिक, डा. पंकज जोशी, डा. रवीश गर्ग, डा. सुनील कुमार, डा. अर्चना सुहासनी, डा. प्रवीण, डा. अनिल दुहन, डा. मीता मल्होत्रा व स्टाफ नर्स गीता आदि मौजूद थे।

हरिभूमि - 19/3/17

गुजवि में सैमीनार के दौरान शामिल अतिथि।

लकवा एवं अधरंग खतरनाक बीमारी : बर्मन

हिसार, 19 मार्च (का.प्र.): गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में डिपार्टमेंट आफ फीजियोथैरपी द्वारा स्ट्रोक द ब्रेन अटैक विषय पर सैमीनार का आयोजन किया गया। जिसमें गुरु जम्भेश्वर विवि के फीजियोथैरपी विभाग के चेयरमैन प्रोफेसर एस.के. सिंह व प्रोफेसर मिलन पारले व डा. शबनम जोशी ने भाग लिया। इस मौके पर मुख्य वक्ता डा. जी.पी. बर्मन ने कहा कि लकवा एवं अधरंग खतरनाक बीमारी है अगर 6 घंटे के अंतराल में इसका उपचार सही ढंग से नहीं किया जाता तो आदमी के लिए यह बीमारी घातक सिद्ध होता है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक वर्ष 150 से लेकर 200 लोगों की लकवा की बीमारी के कारण मौत हो जाती है। 50 प्रतिशत से अधिक लोग भ्रांतियों के कारण आधुनिक पद्धति से रोग का इलाज करवाने से वंचित रह जाते हैं। इस मौके पर गु.ज.वि. से डा. कृष्ण, डा. पारुल, डा. सोनू, जयप्रीत, सुनीता रेखा, ममता मौजूद थी।

पंजाब केसरी हिसार-20/3/17

तकनीक का प्रयोग मानवता की भलाई के लिए हो : प्रो. टंकेश्वर

राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

हिसार, 20 मार्च (का.प्र.): गुजवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा है कि तकनीक का प्रयोग हमेशा मानवता की भलाई के लिए किया जाना चाहिए। ऐसी कल्याणकारी दवाइयों की खोज की जानी चाहिए जिनसे मानव जीवन और अधिक स्वस्थ व सरल हो सके। प्रो. टंकेश्वर कुमार गुजवि बायो एंड नेनो टैक्नोलॉजी विभाग के सौजन्य से 'ड्रग डिस्कवरी टैक्नॉलॉजी : ए मॉलिकुलर मॉडलिंग, सिमुलेशन एंड डायनामिक एप्रोच' विषय पर सी.आर.एस. सभागार में 3 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला को बतौर मुख्यातिथि सम्बोधित कर रहे थे।

अध्यक्षता कार्यशाला की समन्वयक एवं विभागाध्यक्षा डा. नमिता सिंह ने की। कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे। बायो डिस्कवरी ग्रुप सी.ई.ओ. डा. आसीफ नकवी बतौर मुख्य वक्ता उपस्थित थे। डा. अनिल कुमार कार्यशाला संयोजक सचिव तथा डा. सपना ग्रेवाल सह-संयोजिका हैं। कार्यशाला का आयोजन भारत सरकार के बायो टैक्नोलॉजी विभाग के बी.आई.एफ. कार्यक्रम के तहत प्रायोजित है। कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने कहा कि आधुनिक तकनीकों के प्रयोग से किसानों की आय बढ़ाने के लिए भी शोध किए जाने चाहिए।

आई.क्यू.ए.सी. निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी ने कहा कि तकनीक के प्रयोग में चुनौतियां भी है। इस अवसर पर प्रो. देवेन्द्र मोहन, प्रो. प्रवीन शर्मा, प्रो. हूडेजा, प्रो. कपूर, प्रो. सांगवान, डा. लोहचब व डा. छौक्कर उपस्थित थे।

खेलों से बढ़ती है भाईचारे की भावना : प्रो टंकेश्वर

हिसार, 20 मार्च (का.प्र.): फैमिली एंड फ्रैंड्स क्लब की ओर से जी.जे.यू. में क्रिकेट टूर्नामैंट करवाया गया। इसका शुभारंभ वी.सी. प्रो. टंकेश्वर प्रसाद ने किया। वहीं उनके साथ डा. राजेश मल्होत्रा, मुकेश कुमार और मनीष आर्य ने विशेषतौर पर शिरकत की। मुख्यातिथि ने कहा कि इस तरह के आयोजन न केवल स्वास्थ्य के लिए अच्छे है, साथ ही इससे युवाओं में आपसी भाईचारा और प्रेम भी बढ़ता है। क्लब अध्यक्ष संजीव कक्कड़ ने बताया कि क्लब के द्वारा हर वर्ष इस टूर्नामैंट का भव्य आयोजन किया जाता है। इस टूर्नामैंट में विभिन्न क्षेत्रों के युवा खिलाड़ियों की 10 टीमें भाग ले रही हैं, जो करीब 2 महीने तक अपनी क्रिकेट प्रतिभा का परिचय देंगी। इस अवसर पर भारी संख्या में क्लब के युवा सदस्य उपस्थित थे।

युवा महोत्सव में छाई गुजवि की टीम

अंकित राज शर्मा को सम्मानित करते प्रो. टंकेश्वर कुमार।

हिसार, 20 मार्च (का.प्र.): गुजवि की वाद-विवाद टीम ने देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर में हुए दक्षिण एशिया क्षेत्रीय सहयोग संगठन युवा महोत्सव में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। इस युवा महोत्सव में वाद-विवाद टीम में प्रतिनिधित्व सी.एम.टी. विभाग के विद्यार्थी अंकित राज शर्मा व कैमिस्ट्री विभाग के विद्यार्थी अभिषेक जैन ने किया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अंकित राज शर्मा को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर बधाई दी। युवा कल्याण निदेशक अजीत सिंह ने बताया कि इस युवा महोत्सव में 9 देशों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। वि.वि. युवा कल्याण निदेशक अजीत सिंह के नेतृत्व में विश्वविद्यालय की टीम ने इस युवा महोत्सव में भाग लिया।

पंजाब केसरी हिसार- 21/3/17

देश में 23 विश्वविद्यालय व 279 शिक्षण संस्थान फर्जी

यूजीसी और एआईसीटीई ने राज्यों को भेजी सूची

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली।

देशभर के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में नए सत्र के तहत दाखिले शुरू होने के साथ ही यूजीसी और एआईसीटीई ने छात्रों को दाखिला लेने से पहले संबंधित संस्थान की मान्यता परख लेने की अपील की है। यूजीसी और एआईसीटीई ने देशभर की राज्य सरकारों को ऐसे गैर मान्यता प्राप्त 23 विश्वविद्यालयों व 279 उच्च शिक्षण संस्थानों की सूची भेजकर इनके खिलाफ कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया है। इसमें दिल्ली, यूपी के सबसे ज्यादा आठ-आठ विश्वविद्यालय शामिल हैं।

यूजीसी और एआईसीटीई के सचिव के और से देशभर के विश्वविद्यालयों और राज्य सरकार के उच्च शिक्षा विभाग को उक्त विश्वविद्यालयों व उच्च शिक्षण संस्थानों की सूची भेजी है। इस सूची में यूपी, दिल्ली, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, केरल, महाराष्ट्र, कर्नाटक, बिहार के 23 विवि शामिल हैं।

नए सत्र से पहले फर्जी उच्च शिक्षण संस्थानों पर कार्रवाई करने के निर्देश

यूपी की सूची में महिला ग्राम विश्वविद्यालय प्रयाग, गांधी हिंदी विद्यापीठ प्रयाग, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ इलेक्ट्रॉकॉम्प्लेक्स होम्योपैथी कानपुर, नेताजी सुभाषचंद्र बोस यूनिवर्सिटी अलीगढ़, उत्तर प्रदेश विश्वविद्यालय मथुरा, महाराणा प्रताप शिक्षा निकेतन विश्वविद्यालय प्रतापगढ़, इंद्रप्रस्थ शिक्षा परिषद नोएडा, गुरुकुल विश्वविद्यालय मथुरा का नाम शामिल है।

वहीं, दिल्ली में वाराणसेय संस्कृत विश्वविद्यालय जगपुरी, कमर्शियल यूनिवर्सिटी दरियागंज, यूनाइटेड नेशंस यूनिवर्सिटी-एडीआर सेंट्रिक ज्यूरीडिकल यूनिवर्सिटी, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड इंजीनियरिंग, वोकेशनल यूनिवर्सिटी, विश्वकर्मा ओपन यूनिवर्सिटी फार सेल्फ इंप्लाइमेंट का नाम भी सूची में शामिल है।

अमर उजाला- 21/3/17

पार्टटाइम पीएचडी पर रोक नहीं

जाब्यू, नई दिल्ली : यूजीसी ने स्पष्ट किया है कि पार्टटाइम पीएचडी पर कोई रोक नहीं है। सिर्फ पत्राचार या दूरस्थ शिक्षा के जरिये चलने वाले पीएचडी कार्यक्रमों पर ही रोक लगाई गई है। उन सभी अंशकालिक और पूर्णकालिक कार्यक्रमों के तहत मिलने वाली डिग्रियों को 'रेगुलर मोड' में माना जाएगा जिनके लिए डिग्री देने वाले विश्वविद्यालय के संबंधित मौजूदा कानून और अध्यादेश में प्रावधान किया गया है। इससे पहले यूजीसी ने कहा था कि सिर्फ रेगुलर मोड में की गई पीएचडी को ही मान्यता दी जाएगी।

दैनिक जागरण - 21/3/17

कार्यशाला | गुजवि में 'ए मोलीकुलर मॉडलिंग, सिमुलेशन एंड डायनामिक एप्रोच' पर राष्ट्रीय कार्यशाला शुरू

दवा परीक्षण में पशुओं पर निर्भरता कम

हरिभूमि न्यूज. हिसार

सॉफ्टवेयर तकनीक दवा परीक्षण के दौरान पशुओं के प्रयोग को कम करने में अहम भूमिका निभा रही हैं। इस तकनीक के चलते दवाओं के परीक्षण के लिए अपना जीवन दांव पर लगाने वाले जानवरों पर से निर्भरता कम होगी।

यह बात बायो डिस्कवरी ग्रुप के सीईओ डा. आसिफ नकवी मंगलवार को गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के बायो एंड नेनो टैक्नॉलोजी विभाग के सौजन्य से 'ड्रग डिस्कवरी टैक्नॉलोजी : ए मोलीकुलर मॉडलिंग, सिमुलेशन एंड डायनामिक एप्रोच' विषय पर सीआरएस सभागार में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के दूसरे दिन प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मानव का जीवन बचाने के लिए प्रयोग होने वाली दवाओं का परीक्षण जानवरों पर किया जाता है।

गुजवि में राष्ट्रीय कार्यशाला में उपस्थित शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी।

दवाओं के निर्माण के प्रारम्भिक चरणों में ही जानवारों का सहारा लिया जाता है, लेकिन अब सॉफ्टवेयर तकनीकों के चलते दवाओं के प्रारम्भिक चरणों के परीक्षण सॉफ्टवेयर तकनीक के माध्यम से पूरे कर लिए जाएंगे। इससे जानवरों का जीवन खतरे में नहीं पड़ेगा। अब सॉफ्टवेयर तकनीक से दवाओं का अधिकतर परीक्षण पूरा कर लिया जाएगा। बायो एंड नेनो टैक्नॉलोजी विभाग की अध्यक्ष डा. नमिता सिंह ने बताया कि दूसरे दिन बायो डिस्कवरी के वैज्ञानिक डा. यश श्रीवास्तव ने भी व्याख्यान दिया। डा. सिंह ने बताया कि बुधवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार कम्प्यूटर सिमोलेशन व इटस् एप्लीकेशन विषय पर अपना विशेष व्याख्यान देंगे।

कार्याशाला के दूसरे दिन डीआरडीओ, दिल्ली, अक्वाइंस रिसर्च, हिसार, लुवास, हिसार, हकृवि, हिसार, केयूके, सीडीएलयू, रोहतक, टीआईटी, भिवानी, एनआईएमआर, दिल्ली, नैशनल विश्वविद्यालय, जयपुर, कुमाऊ विश्वविद्यालय, भीमताल, सीआईआरबी, हिसार, मदवि, रोहतक, सीपीबी, हिसार व जाट कॉलेज हिसार के शोधार्थियों व विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर डा. अनिल, डा. वी.के. छौक्कर व डा. राजेश लोहचब सहित अन्य शोधार्थी व विद्यार्थी उपस्थित थे।

हरिभूमि - 22/3/17

सॉफ्टवेयर तकनीक से जानवरों पर कम होगा दवा का प्रयोग : नकवी

हिसार | सॉफ्टवेयर तकनीक दवा परीक्षण के दौरान पशुओं के प्रयोग को कम करने में अहम भूमिका निभा रही है। इस तकनीक के चलते दवाओं के परीक्षण के लिए अपना जीवन दांव पर लगाने वाले जानवरों पर से निर्भरता कम होगी। यह बात बायो डिस्कवरी ग्रुप के सीईओ डॉ. आसिफ नकवी ने मंगलवार को

दवा परीक्षण में हो रहा पशुओं का कम प्रयोग

जागरण संवाददाता, हिसार : साफ्टवेयर तकनीक दवा परीक्षण के दौरान पशुओं के प्रयोग को कम करने में अहम भूमिका निभा रही है। इस तकनीक के चलते दवाओं के परीक्षण के लिए अपना जीवन दांव पर लगाने वाले जानवरों पर से निर्भरता कम होगी। यह

जीजेयू व बॉयोडिस्कवरी ग्रुप ने किया एमओयू साइन, मिलकर करेंगे कार्य

हिसार, 23 मार्च (निस) : गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार व बायो डिस्कवरी ग्रुप, आगरा, उत्तर प्रदेश ड्रग डिस्कवरी टैक्नॉलोजी के क्षेत्र में गुणवत्ता व उपयोगिता को बढ़ावा देने के लिए मिलकर कार्य करेंगे। गुजविप्रौवि, हिसार व बायो डिस्कवरी ग्रुप, आगरा ने मेमोरंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। गुजविप्रौवि हिसार की ओर से विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। विश्वविद्यालय की ओर से शैक्षणिक मामलों के अधिष्ठाता प्रो. राजेश मल्होत्रा व विभागाध्यक्षा प्रो. नमिता सिंह द्वारा भी हस्ताक्षर किए। बायो डिस्कवरी ग्रुप के सीईओ डा. आसिफ नकवी ने डा. यश श्रीवास्तव के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए। गुजविप्रौवि हिसार के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि बायो डिस्कवरी ग्रुप, आगरा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों व शोधार्थियों को रिसर्च ट्रैनिंग करवाएगा। साथ ही ग्रुप के वैज्ञानिकों के साथ मिलकर विश्वविद्यालय के विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षक संयुक्त रूप से अनुसंधान कर सकेंगे।

पाठकपक्ष - 23/3/17

जीजेयू का तापमान हिसार के मुकाबले 4 डिग्री कम-टंकेश्वर

हिसार, 23 मार्च (निस) : दिल्ली के हृदय स्थित भारत सरकार के विग्यान भवन में दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली और राष्ट्रीय जाम्भाणी साहित्य अकादमी, बीकानेर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित दो दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय जाम्भाणी साहित्य संगोष्ठी सफलतापूर्वक सम्पन्न हो गई। श्री गुरु जाम्भोजी की ज्योति/दीप प्रज्वलित कर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्री, भारत सरकार हर्षवर्धन ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि 16वीं शताब्दी में उन महामानव श्री गुरु जाम्भोजी ने आज विश्व के सामने आ रही सबसे भयानक समस्याएं-जैसे पर्यावरण प्रदूषण, स्वच्छ पेयजल का संकट, वन एवं वन्य सम्पदा (वन और वन्य प्राणियों) का संरक्षण, प्राकृतिक आपदाएं, अकाल और बाढ़ की समस्या, तेजी से मौसम परिवर्तन, वर्षा की अनिश्चितता और बढ़ती हुई ग्लोबल वार्मिंग इत्यादि के बारे में चेतावनी दे दी थी, इसलिए यदि भारत सहित संसार के लोगों को तरक्की करते हुए स्वस्थ रहना है तो वह समय आ गया है जब श्री गुरु जम्भेश्वर जी द्वारा प्रदत्त 29 धर्म-नियमों पर चलना होगा वरना परिणाम भुगतने को तैयार रहना पड़ेगा। यह जानकारी देते हुए राष्ट्रीय जाम्भाणी साहित्य अकादमी, बीकानेर के संस्थापक सदस्य तथा अखिल भारतीय जीव रक्षा बिश्नोई सभा के मीडिया प्रभारी हरियाणा प्रदेश पृथ्वीसिंह बेनीवाल ने बताया कि इस अवसर पर जाम्भाणी साहित्य संगोष्ठी के दूसरे सत्र के अपने अध्यक्षीय संबोधन में गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति ने कहा कि यह समय गुरु जाम्भोजी के बताए मार्ग और 29 धर्म नियमों पर चल कर तरक्की करने का है। उन्होंने जोर देकर कहा कि गुरु जम्भेश्वर विश्व विद्यालय, हिसार के सभी कार्य में 29 नियमों पर चलने की कोशिश की जाती है। जल संरक्षण, पौधा रोपण और संरक्षण का पूरा पालन किया जाता है । इसी का परिणाम है कि जब पूरे हरियाणा प्रदेश का सर्वाधिक तापमान यहां हिसार का होता है, तब हमारे श्री गुरु जम्भेश्वर जी प्रदत्त नियमों का पालन करने से हिसार जीजेयू का तापमान 4 डिग्री कम होता है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस विश्वविद्यालय में आरम्भ से ही भवन या सड़कों के निर्माण में बाधा बने लगभग 200 पेड़ों को काटा नहीं गया है बल्कि उन्हें शिफ्ट करके दूसरी जगह पुनः रोपित कर लगा दिया गया है। उनमें से 90 प्रतिशत पौधे लहलहा रहे हैं।

पाक्षिक - 23/3/17

'स्पार्क-2017' में थिरकीं छात्राएं

हिसार। कार्यक्रम में प्रस्तुति देते विद्यार्थी।

हिसार। जीजेयू में आयोजित स्पार्क कार्यक्रम में प्रस्तुति देते विद्यार्थी।

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार।

जीजेयू के हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस विभाग की ओर से शुक्रवार को वार्षिक कार्यक्रम स्पार्क-2017 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। अध्यक्षता विभाग की निदेशिका प्रो. ऊषा अरोड़ा ने की। प्रो. विनोद कुमार बिश्नोई ने बताया कि विभिन्न प्रतियोगिताओं में एमबीए, एमबीए फाईनेंस, एमबीए मार्केटिंग व एमबीए इंटरनेशनल बिजनेस के विद्यार्थियों की 13 टीमों में 350 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में नेल आर्ट प्रतियोगिता में अंशुल, प्रियंका, दीक्षा, रितु, सोनाली पूनिया व प्रिया विजेता रही। मेहंदी प्रतियोगिता में आरती, सपना, नेहा, बबीता, स्नेहा व एकता, रंगोली प्रतियोगिता में अनीता, उमा, मोनिका, सुजाता, दीक्षा व साक्षी बंसल, बॉलीवुड बीट्स प्रतियोगिता में शिवांगी, शेफाक, हिमानी, अंशुल, साक्षी व भावना, मेलोडी गायन प्रतियोगिता में विरेंद्र, मधु व राजीव, कार्टूनिंग प्रतियोगिता में भगवती गर्ग, निर्मला व पारूल मित्तल तथा नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता में एमबीए प्रथम वर्ष, एमकॉम प्रथम वर्ष तथा एमबीए द्वितीय वर्ष की टीम विजयी रहे।

गायों की सेवा कर मनाया जन्मदिन

मंडी आदमपुर (ब्यूरो)। आदमपुर के जवाहर नगर निवासी जुड़वां बहन-भाई सिया और समित ने शुक्रवार अपना 11वां जन्मदिन पौधारोपण व गायों की सेवा कर मनाया। बच्चों के पिता सुशील बिश्नोई, माता संतोष देवी, बुआ अंगूरी देवी ने बताया कि दोनों ने गांव सदलपुर गोशाला में गायों को गुड़ व हरा चारा खिलाया और इसके बाद आदमपुर के राजकीय बहुतकनीकी संस्थान में पौधारोपण किया।

वैदिक काल विश्व का सर्वश्रेष्ठ काल : कुलपति कुठियाला

हिसार। जीजेयू में राष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित करते माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल के कुलपति प्रो. बीके कुठियाला।

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार।

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय भोपाल के कुलपति प्रो. बीके कुठियाला ने कहा है कि भारत का वैदिक काल अब तक का विश्व का श्रेष्ठ काल था। वर्तमान तकनीकी विकास मानव के अंगों और ज्ञानेंद्रियों का विकास है। जबकि वैदिक काल का भारतीय विकास तकनीक के साथ-साथ आध्यात्मिक विकास भी था। वे जीजेयू के प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी विभाग के सौजन्य से 'प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग इंडस्ट्री इन कंटेक्सट ऑफ इंडस्ट्री 4.0' विषय शुरू हुई राष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे।

अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे।

टीआईटीएस भिवानी के निदेशक प्रो. आरके अनाथ कार्यशाला में बतौर मुख्य वक्ता उपस्थित थे। प्रो. बीके कुठियाला ने कहा कि केवल तकनीक को जीवन का आधार न बनाएं। विभाग के अध्यक्ष एवं कार्यशाला के निदेशक डॉ. अम्बरीष पांडेय ने बताया कि अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के अधिष्ठाता प्रो. योगेश चाबा, प्रो. पीसी तिवारी, अमित शर्मा, विकास सिंह ने कार्यशाला को संबोधित किया। एमके मुदगिल, केवी नागपाल, बीडी मेहंदीरत्ता ने कार्यशाला के विभिन्न सत्रों की अध्यक्षता की। विजेंद्र कौशिक कार्यशाला के संयोजक सचिव हैं।

अमर उजाला 25/3/17

गुजवि में 5जी तकनीक पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

5जी मोबाइल टेक्नोलॉजी से देश में आएगी क्रांति

हालांकि इस तकनीक के उपयोग से कई चुनौतियां भी आएगी लेकिन वैज्ञानिक इन चुनौतियां का सामना करते हुए सफलतापूर्वक इस तकनीक की स्थापना करेंगे

हरिभूमि न्यूज. हिसार.

आने वाला समय 5जी मोबाइल नेटवर्किंग तकनीक का है। 5जी नेटवर्किंग तकनीक से मनुष्य के जीवन से जुड़े अधिकतम क्षेत्रों में क्रांतिकारी परिवर्तन होंगे।

5जी मोबाइल तकनीक के लिए विश्वभर में तैयारियां आरम्भ हो चुकी है। यह बात सोमवार को गुजवि में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में देवी अहिल्या विवि के इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक डा. संजीव टोकेकर ने कही। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय 3जी और 4जी तकनीक का है। 5जी तकनीक के लांच होने के बाद संचार, यातायात, चिकित्सा तथा अन्य अधिकतर क्षेत्रों में सकारात्मक व उपयोगी बदलाव होंगे। हालांकि इस तकनीक के उपयोग से कई चुनौतियां भी आएगी लेकिन वैज्ञानिक इन चुनौतियां का सामना करते हुए सफलतापूर्वक इस तकनीक की स्थापना करेंगे। कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने कहा कि भारत आधुनिकतम तकनीकों को प्रयोग तो करता है लेकिन उनको विकसित करने वाला नहीं बन पाता है। अब समय आ गया है जब देश के वैज्ञानिकों को इस दिशा में गंभीरता से कार्य करना चाहिए।

हिसार। गुजवि में राष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन करते मुख्य अतिथि निदेशक प्रो. संजीव टोकेकर।

मुख्यवक्ता प्रो. ब्रह्मजीत सिंह ने कहा कि नहीं केवल दुनिया में बल्कि भारत में भी तकनीक तथा अन्य क्षेत्रों में बहुत तेजी से बदलाव हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि देश में करीब 100 करोड़ मोबाइल उपभोक्ता हैं, इसके बावजूद इन्टरनेट प्रयोग के मामले में अभी भी हम काफी पिछड़े हुए है। इस मौके पर प्रो. योगेश चावा, प्रो. प्रदीप भाटिया, डा. ज्योति वशिष्ठ, डा. जसविन्द्र सिंह तथा उपकर्ष मिश्रा आदि मौजूद थे।

हरिभूमि 28/3/17

स्मार्ट इंडिया हैथॉन में जीजेयू की दो टीमें चयनित

हरिभूमि न्यूज. हिसार

■ तकनीकी समस्याओं का समाधान करेंगी

मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित स्मार्ट इंडिया हैथॉन में गुजवि के कंप्यूटर साईंस एंड इंजीनियरिंग विभाग की दो टीमों का चयन हुआ है। दोनों टीमें भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन व अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद की तकनीकी समस्याओं के समाधान पर कार्य करेंगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी। विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साईंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष प्रो. प्रदीप कुमार भाटिया ने बताया कि भारत सरकार द्वारा देश के विभिन्न विभागों की तकनीकी समस्याओं के समाधान के लिए देश के तकनीकी विश्वविद्यालयों के शोधार्थियों व विद्यार्थियों व वैज्ञानिकों से सुझाव मांगे थे। जिसकी जिम्मेदारी भारत सरकार ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय को दी थी। मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा स्मार्ट इंडिया हैथॉन के तहत ऑनलाईन पंजीकरण कर शोधार्थियों, विद्यार्थियों व वैज्ञानिकों से सुझाव मांगे थे।

हिसार। स्मार्ट इंडिया हैथॉन में चयनित हुई गुजवि के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग की टीम के साथ विभागाध्यक्ष प्रो. प्रदीप कुमार भाटिया। फोटो: हरिभूमि

प्रो. भाटिया ने बताया कि विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साईंस एंड इंजीनियरिंग विभाग की सात टीमों ने विभिन्न समस्याओं पर अपने सुझाव भेजे थे, जिसमें से विश्वविद्यालय की दो टीमों का चयन हुआ है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के शिक्षक प्रो. दिनेश चुटानी व सुनील वर्मा के नेतृत्व में कार्य कर रही टीम भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन व डा. ओपी सांगवान व दीपक नांदल के नेतृत्व में कार्य कर रही टीम अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद की तकनीकी समस्याओं के समाधान पर कार्य करेंगी। उन्होंने बताया कि आईएसआरओ के लिए भारत में से केवल विश्वविद्यालय की टीम का चयन हुआ है। वहीं एआईसीटीई के लिए हरियाणा में से केवल विश्वविद्यालय हिसार की टीम का चयन हुआ है। आईएसआरओ टीम में विभाग के विद्यार्थी अक्षय यादव, कामेश यादव, प्रिया यादव, मोहित कुंडू, आकाश गहलावत व अभिषेक जांगिड़ तथा एआईसीटीई टीम में सागर राणा, सचिन कुमार, उमेश यादव, प्रकाश, पंकज यादव व योगेश शामिल है।

हरिभूमि- 30/3/17

अब गुजवि में पढ़ाई के साथ सेहत भी बना सकेंगे विद्यार्थी

विवि की बैठक में 173.53 करोड़ का बजट अनुमोदित किया

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय (गुजवि) में नए फाइनेंशियल सत्र में स्वीमिंग पूल से लेकर कम्युनिटी सेंटर बनाने की योजना बनाई गई है। विश्वविद्यालय में करीब 21 करोड़ रुपये के निर्माण कार्य करवाए जाएंगे। नए सत्र के बजट को लेकर बृहस्पतिवार को विश्वविद्यालय की कोर्ट की 28वीं बैठक हुई। इसमें 173.53 करोड़ रुपये का बजट अनुमोदित किया गया। इसमें कर्मचारियों के वेतन व भत्तों पर 84.34 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। यह बैठक कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की अध्यक्षता में हुई। संचालन कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने किया।

कुलपति कार्यालय में हुई बैठक में बजट पेश होने के साथ करीब 21 करोड़ रुपये का बजट रखा। इसमें विश्वविद्यालय में स्वीमिंग पुल, दूरवर्ती शिक्षा की बिल्डिंग, ई टाइप हाउस, हेल्थ सेंटर, कम्युनिटी सेंटर, टीचिंग क्लब तक का प्रावधान रखा है। इसके अलावा रेगुलर से साढ़े 12 करोड़, दूरवर्ती से सवा 11 करोड़, बीटेक से सात करोड़ सहित अन्य मदों से कुल 32 करोड़ रुपये की इनकम होती है। बैठक में तकनीकी विभाग, हरियाणा के अतिरिक्त निदेशक डीपी चौहान, कुरुक्षेत्र के पूर्व डीन ऑफ कॉलेजिज प्रो. एमएम गोयल, प्रो. राजेश मल्होत्रा, प्रो. अशोक चौधरी, प्रो. वंदना कुमारी, प्रो. देवेंद्र मोहन, प्रो. एनके बिश्नोई, प्रो. एनएस मलिक, प्रो. योगेश चाबा, प्रो. डीसी भट्ट, प्रो. मिलिन्द पारले, प्रो. बीएस खटकड़, प्रो. एससी कुण्डू, प्रो. नरसी राम, प्रो. कुलदीप बंसल, डा. अम्बरीष पांडेय, डा. अंजन बराल व वंदना शामिल हुए।

हाईटेक जिम का उद्घाटन

हाईटेक जिम में अभ्यास करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बृहस्पतिवार को विवि में हाईटेक जिम का उद्घाटन किया। इस दौरान विवि के कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे। कुलपति ने कहा कि हाईटेक जिम समय की मांग है। इससे विद्यार्थियों के शारीरिक व मानसिक विकास में सहायता मिलेगी। खेल निदेशक डॉ. एसबी लूथरा ने बताया कि इस हाईटेक जिम के लिए 30 लाख रुपये के आधुनिक उपकरण खरीदे गए है। ये उपकरण राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के अनुदान से खरीदे गए है। इस हाईटेक जिम में स्थापित स्टीम बाथ, ट्रेड मिल, रनिंग मशीन व विभिन्न प्रकार की अभ्यास साइकिल विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगी। इस हाईटेक जिम को वातानुकूलित करने का प्रावधान रखा गया है।

दैनिक जागरण - 31/3/17

घोषणा | गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय में बृहस्पतिवार को कार्यकारी परिषद् की 76वीं बैठक का आयोजन

22 करोड़ से बनेंगे क्रिकेट मैदान समेत नए भवन

हरिभूमि न्यूज. हिसार

गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय में बृहस्पतिवार को कार्यकारी परिषद् की 76वीं बैठक हुई। इस बैठक में विवि को मिलने वाली 22 करोड़ रुपये की लागत से क्रिकेट ग्राउंड, लड़कों के लिए नये हॉस्टल नम्बर 5, कम्यूनिटी सेंटर, टीचर क्लब, पब्लिक हेल्थ सेंटर के निर्माण की घोषणा की गई। यह बैठक वर्ष 2020 तक विवि के तरक्की, फैलाव के अलावा बजट एस्टीमेट एन्वल अकाउंट, बेलेंस शीट, अनुवल ऑडिट तथा अनुसल रिपोर्ट पेश की गई। इसके अलावा विवि की ऑनलाइन प्रोसेस प्रणाली को बढ़ाने पर भी गहनता से चर्चा हुई। मीटिंग में जहां कुछ नई घोषणाएं हुई, वहीं दूसरी बंद किया गया। वीसी प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बिजनेस डेवल्पमेंट ग्रुप को बंद कर दिया। गुजवि सूत्रों की मानें तो बीते 10 वर्षों से इस ग्रुप की ओर से बजट का कोई हिसाब-किताब नहीं दिया गया था।

- ईसी की बैठक में बिजनेस डेवल्पमेंट ग्रुप को किया बंद

सूत्र यह भी बताते है कि हालांकि बृहस्पतिवार को हुई इस मीटिंग से पहले बिजनेस डेवल्पमेंट ग्रुप के बजट के हिसाब नहीं देने की जानकारी दी गई थी। यह भी चर्चा थी कि वर्ष 2007 से 2017 तक इस ग्रुप का करीब साढ़े 3 करोड़ रुपये सेविंग अकाउंट में रखा गया, जिससे गुजवि को करीब 35 से 40 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। जानकार बताते है कि बिजनेस डेवल्पमेंट ग्रुप के इस बजट को अगर एफडी में रखा जाता तो गुजवि को करीब 8 प्रतिशत का ब्याज मिलता जबकि बीते समय में यह केवल साढे तीन से चार प्रतिशत ही मिल सका। बैठक में दो महान विभूतियों पदमश्री पदमविभूषण तथा नालंदा विश्वविद्यालय के चांसलर तथा भारत के प्रथम सुपर कम्प्यूटर के आर्किटेक्ट के रूप में जाने जाने वाले डा. विजय भाटकर तथा विज्ञान एवं तकनीक तथा भूविज्ञान मंत्री डा. हर्षवर्धन को डिग्री ऑफ डॉक्टर ऑफ साईंस ओनोरिस देने का निर्णय भी लिया गया है। बैठक में विवि के नये परीक्षा नियंत्रक यशपाल की नियुक्ति पर मोहर लगाई गई है। पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग में बीटेक सिविल इंजीनियरिंग का कोर्स तथा अप्लाईड साईकोलोजी विभाग में पीजी डिप्लोमा इन गाईडेंस एंड काउंसलिंग कोर्स शुरू करने के निर्णयों को स्वीकृति दी गई है।

हिसार। गुजवि में आयोजित कार्यकारी परिषद् की बैठक में निर्देश देते वीसी प्रो. टंकेश्वर कुमार।

इसके अलावा बैठक में अतिरिक्त पीएचडी करने वाले शिक्षकों व गैरशिक्षक कर्मचारियों को फीस में 50 प्रतिशत छूट का प्रावधान भी किया गया है। इस मौके पर कुलसचिव डा. अनिल पुंडीर, वित्तायुक्त एवं प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार के मनोनीत तकनीकी विभाग, हरियाणा के अतिरिक्त निदेशक डीपी चौहान, डा. प्रदीप शर्मा, प्रो. पवन कुमार, प्रो. एमएम गोयल, प्रो. केसी तोमर, प्रो. केसी अरोड़ा, प्रो. बंदना कुमारी, प्रो. योगेश चाबा, प्रो. डीसी भट्ट, प्रो. मनोज दयाल, प्रो. नरसी राम, डा. धर्मेन्द्र कुमार, डा. सुनील कुमार मौजूद थे।

हरिभूमि - 31/3/17